श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्रीरामाष्टकम् ॥

This document has been prepared by

Sunder Kidāmbi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्रीरामाष्टकम् ॥

श्रीराम राम रघुनन्दन राम राम
श्रीराम राम भरताग्रज राम राम।
श्रीराम राम रणकर्कश राम राम
श्रीराम राम शरणं भव राम राम॥ 1 ॥

श्रीराम राम दिविजेश्वर राम राम
श्रीराम राम मनुजेश्वर राम राम।
श्रीराम राम जगदीश्वर राम राम
श्रीराम राम शरणं भव राम राम॥ 2 ॥

श्रीराम राम विबुधाश्रय राम राम
श्रीराम राम जगदाश्रय राम राम।
श्रीराम राम कमलाश्रय राम राम
श्रीराम राम शरणं भव राम राम॥ 3 ॥

श्रीराम राम गुणसागर राम राम
श्रीराम राम गुणभूषण राम राम।
श्रीराम राम गुणभाजन राम राम
श्रीराम राम शरणं भव राम राम॥ 4 ॥

श्रीराम राम शुभमङ्गल राम राम
श्रीराम राम शुभलक्षण राम राम।
श्रीराम राम शुभदायक राम राम
श्रीराम राम शरणं भव राम राम॥ 5 ॥

श्रीराम राम सुजनप्रिय राम राम
श्रीराम राम सुमुनिप्रिय राम राम।
श्रीराम राम सुकविप्रिय राम राम
श्रीराम राम शरणं भव राम राम॥ 6॥

श्रीराम राम कमलाकर राम राम
श्रीराम राम कमलेक्षण राम राम।
श्रीराम राम कमलाप्रिय राम राम
श्रीराम राम शरणं भव राम राम॥ 7॥

श्रीराम राम दनुजान्तक राम राम
श्रीराम राम दुरितान्तक राम राम।
श्रीराम राम नरकान्तक राम राम
श्रीराम राम शरणं भव राम राम॥ 8॥

श्रीरामचन्द्रः स पुनातु नित्यं
यन्नाममध्येन्द्रमणिं विधाय।
श्रीचन्द्रमुक्ताफलयोरुमाया -
श्चकार कण्ठाभरणं गिरीशः॥ 9॥

श्रीरामचन्द्रचरणौ मनसा स्मरामि
श्रीरामचन्द्रचरणौ वचसा गृणामि।
श्रीरामचन्द्रचरणौ शिरसा नमामि
श्रीरामचन्द्रचरणौ शरणं प्रपद्ये॥ 10॥

रामाष्टकमिदं पुण्यं प्रातःकाले तु यः पठेत्।
मुच्यते सर्वपापेभ्यो विष्णुलोकं स गच्छति॥ 11॥

॥ इति श्रीरामाष्टकं समाप्तम्॥